जीवन के लम्बे सफ़र में ...
मिला है हमको भगवन...
चलते चलते फिरते फिरते...
भटकते भटकते मंदिरों...
में माथा पटकते मिला ...
ऐसा हमसफ़र कहते...
खुदा है उसको...
अँधेरी अज्ञान रात में...
दीपक आत्मा के थे...
बुझ रहे।
ऐसे में उसने प्यार ...
का दीप जलाया दिल में...
रात बदल गयी सहर में...
जीवन दे दिया उस ...
खुदा की खुदाई ख़िदमत में...
अफसाना बन गयी...
प्रेम की बंधी जो लगन में...
रूहानियत के झलक ....
देख रही दुनिया को मुझमें...
इंतजार हुआ ख़त्म ...
मिलन हुआ परमातम...
नयी सुबह खुशियों...
की हो रहे अब चमक....
जगती ज्योति बन....

बुझी अब प्रेम अगन...
चलते चलते मुझे कोई...
मिल गया राह में...
चलते चलते ...